



'सेना की गतिविधियों का सीधा प्रसारण न करे मीडिया'



और मौजूदा कानूनों और विनियोगों का सख्ती से पालन करें।

ऐसी रिपोर्टिंग से सुरक्षाबलों को

खतरा- मन्त्रालय

सलाह में कहा गया कि रक्षा अभियानों या सुरक्षाबलों की सीधी प्रसारण के हित में रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही का सीधा प्रसारण करने से पहलगाम हमले के बाद सरकार ने घैलौं को दिए निर्देश।

बचने की सलाह दी ही और कहा कि इस तरह की रिपोर्टिंग से जाने-अनजाने में दुश्मनों को मदद मिल सकती है। सच्चाना एवं प्रसारण मन्त्रालय ने सभी मीडिया चैनलों को राशी सुरक्षा के हित में रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही की ही मन्त्रालय प्रसारण न करने की सलाह जारी की है। मन्त्रालय की तरफ से जारी सलाह में कहा गया है, राशी सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे रक्षा और अन्य संबंधी अभियानों से संबंधित मामलों पर रिपोर्टिंग करते समय अत्यधिक जिम्मेदारी का बरतें।

सभ्य समाज में आतंकवाद की जगह नहीं



लखीमपुर खीरी। मुख्यमंत्री योगी आदिल्यनाथ शनिवार को लखीमपुर खीरी के प्रतियोगी में जनसाधा को संबोधित करते हुए आतंकवाद पर जमकर बरसे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभ्य समाज में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं हो सकती।

योगी बोले सुरक्षा में सेंध के लिए है जीरो टॉलेंस नीति

आराजकता के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। भारत सरकार सुरक्षा, सेवा और सुरक्षासन का मॉडल है, जो विकास, गणराज्य और सभवी सुरक्षा पर आधारित है। अगर कोई सुरक्षा में सेंध लगाने का दुस्साहस करेगा तो उसके लिए जीरो टॉलेंस की नीति है। वह जिस भाषा में समझा, उसको उस भाषा में जबाब देने के लिए भारत तैयार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर नया भारत कुसोरी को छोड़ना नहीं है। अगर किसी ने छोड़ तो उसे छोड़ा भी नहीं। उस्में जीरो टॉलेंस नीति है। अगर किसी ने छोड़ तो उसे छोड़ा भी नहीं। उस्में जीरो टॉलेंस नीति है। अगर किसी ने छोड़ तो उसे छोड़ा भी नहीं। उस्में जीरो टॉलेंस नीति है।

के तहत उत्तर प्रदेश को माफियामुक्त किया। आराजकता और दोंगों से मुक्त किया। युवों को अपनी अर्थव्यवस्था के तौर पर लाकर खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब देश के अंदर उत्तर प्रदेश अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में मेडिकल कॉलेज के नियम पर खुशी जाऊं। कहा कि पहले ये तहसील के तौर पर लाकर खड़ा कर दिया है। तहसील स्थानीय समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अब देश के अंदर उत्तर प्रदेश अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिकृत इंस्ट्रक्टर वाला राज्य है। रेलवे का

लखीमपुर खीरी में भारतीय अधिक

बुल्डोजर कार्यवाही के बाद परशुराम मंदिर पर शुरू हुआ काम

खाली कराई गयी भूमि किसी की निजी संपत्ति नहीं थी अवैध कब्जे वाली भूमि थी

जलालाबाद-शाहजहांपुर (स्वतंत्र भारत)। नगर में रामाचार के किनारे रहने वाले अवैध कब्जेदारों पर प्रशासन की कार्यवाही के बाद भगवान परशुराम मंदिर के जीड़ोंपार के काम की आज से शुरूआत हो गयी है।

यहां पर १३ करोड़ की लागत से कई महत्वपूर्ण काम होने हैं आज मौके पर पहुंचे निर्माण कंपनी के जैड़े ने जरूरी दिशा निर्देश दिए हैं तथा काम की शुरूआत कर तो गई है। प्रशासन द्वारा गए एवं भारी पुलिस फोस को देखकर लोगों में भय व्यास था कि प्रशासन कोई बड़ी कार्यवाही करने वाला है लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रामाचार की सीढ़ियों से ९ मीटर के दायरे में लोकों भी कामाई से निर्माण किया था अवैध कब्जे हटवाने में लगाए गए भारी पुलिस फोस को देखकर लोगों में भय व्यास था कि प्रशासन कोई बड़ी कार्यवाही करने वाला है लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रामाचार को जीड़ोंपार के बाद भगवान परशुराम मंदिर के जीड़ोंपार का प्रयोग होना था लेकिन तीन बुल्डोजरों ने ही काम तमाम कर दिया थोड़े रह गए। तहसील तिलहर, सदर, कलान, व जलालाबाद सर्किल के थानों की बड़ी संख्या में पुलिस इस कार्य में सुरक्षा व शांति व्यवस्था बनाए।

शुक्रवार को राजस्व विभाग, नगर पालिका एवं पुलिस के संयुक्त अधिभान के चलते २३ अवैध



रखने के लिए लगाई गई थी।

निर्माण मौजूद रहे। नगर पालिका के संकड़ों के बायोरी राजव्य विभाग के लेखपाल कानून गो मिलाकर दो से ढाई हजार तो तीरीय राजव्य विभाग के साथ दो-दो सिपाही खड़े हुए एवं दो से ढाई हजार तो तीरीय राजव्य विभाग के लिए माने इस तरह नैनत खड़े थे जैसे कोई बहुत बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया जाने वाला है यह कोई बड़ा किल प्लेट फोह किया जाना है यह जिसका भयंकर विरोध चल रहा है जबकि ऐसा कहाँ कुछ भी नजर नहीं आया किसी प्रकार का कोई विरोध देखने को नहीं मिला मामूली कहासुनी को छोड़कर

लागत सभी कुछ शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया।

जिन दुकानों को खाली

कराया गया उन्हें नई तोड़ा

प्रशासन की मंशा का अवैध

कब्जदारों को अंत तक पता नहीं

चल सका।

प्रशासनिक अधिकारियों

के सख्त आदेश के मुताबिक उनके

भय में लोगों ने अपनी दुकानें

खाली कर दी थीं मकान से सामान

निकाल लिया था प्रशासन ने भी

तैयारी मानो इस तरह की थी जैसे

चेतावनी दी है।

आज वह सब कुछ ध्वनि कर देगा रह मकान बुल्डोजर से कुचल डालने लेकिन ऐसी कोई कार्रवाई नहीं हुई लोगों ने राहत की सांस ली लैकिन यहां यह कहाना भी जरूरी हो जाता है कि खतरा अभी टला नहीं है।

एसडीएम ने कहा

इस बाबत एसडीएम द्वारा यादव से पूछा गया उन्होंने बताया कि आवश्यकतानुसार १ मीटर अवैध

अतिक्रमण हटाया गया है लैकिन जो

बच गया है वह भी शीरी तोड़ा जाएगा,

जिन स्थानों पर लाल रंग के कारंस

माइक्रोसोफ्ट रेडी स्कूल के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान करने पर

शाहजहांपुर (स्वतंत्र भारत)।

शिक्षा के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान करने पर

शाहजहांपुर के तीन स्कूल पुरावां के कैम्ब्रिज कानूनेट स्कूल और मारवाह

मार्डन ने शाहजहांपुर के बैंगलोर में सम्मानित किया गया।

माइक्रोसोफ्ट कंपनी की सीईओ जया के द्वारा

सम्मानित किया गया।

जराल फेरम एजुकेशन कॉलेजे २०२५ बैंगलोर

में माइक्रोसोफ्ट रेडी स्कूल के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान के लिए कैम्ब्रिज

कानूनेट स्कूल पुरावां के डायरेक्टर और प्रेसिडेंट सहोदया स्कूल कांप्लेक्स

शाहजहांपुर रचित अग्रवाल, सिटी कोअर्निंगर रोजी स्कूल से डा.

राजीव अमल में लाई जाएगी इसलिए लोग

मोहन पांडे और मारवाह स्कूल से डा.

कमलजीत सिंह डिस्क्रिप्ट ट्रैनिंग

कोऑर्डिनेटर, शाहजहांपुर को सम्मानित किया गया।

माइक्रोसोफ्ट कंपनी की द्वारा सम्मानित किया गया।

जिले में पांचवा स्थान पाकर

अनुभव ने किया नाम रोशन

जलालाबाद-शाहजहांपुर (स्वतंत्र भारत)।

काकोरी शहीद इंटर कालेज

जलालाबाद-शाहजहांपुर में इंटरमीडिएट के क्षेत्र विभाग के

प्रथम स्थान विभाग के लिए नाम रोशन

जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया।

ज

जिहादी आतंकवाद व्यवरिथित युद्ध का हिस्सा है



दरअसल इस्लामी चिंतन में युद्ध एक अनिवार्य धारणा है। कुरान (2/216) में कहा गया है कि, 'तुम पर युद्ध अनिवार्य किया गया है'। यह भी हिदायत है, 'जो लोग अस्त्रवान् मार्ग में मारे जाएँ, उन्हें मर्द न कहो बल्कि वह जिदा है।' कुरान (8.74) में कहा गया है, 'जो अल्लाह के मार्ग में लड़ेगा, वह मारा जाय या विजयी हो, हम शोश्च ही उसको बड़ा बदला देंगे। जिहादी युद्ध के लिए अपने जांबाज समर्थक तैयार करने के लिए ऐसी विचारायां उपयोग हैं।

लगातार युद्ध की संभावनाएँ हैं। भारत में कश्यप के पल्लाम में हृदय विदारक जिहादी हमला हुआ है। इसके पाले भी अनेक ऐसे ही हमले हुए हैं। क्या मुंबई के '26/11' के नाम से चिन्तित नवंबर 2008 के हमले को केवल आतंकवादी घनन कहा जा सकता है? यह दरअसल अपने ढंग के जिहादी युद्ध का ही रौद्र रूप है।

इस्लामिक विचारधारा के अंतर्राष्ट्रीय विद्वान प्रोफेसर डेनियल पाप्प (इन दि पाथ ऑफ गॉड, पृष्ठ 46) ने कहा था जिहाद एक अंतर्राष्ट्रीय धारणा है। यह संसार के इसानों को दो भागों में बांटती है। एक दासल जहां इस्लाम जहां इस्लामी राजी है। कुछ दूसरे दासल इन लोगों के मध्य निरंतर युद्ध की स्थिति है। इस्लामी चिंतन के विद्वान मीलाना मीदूदी कहते हैं, 'दीन की स्थापना के बकस दस्त दुकूमत पर कब्जा करने के लिए युद्ध की इजाजत है।' (इस्लामिक लॉ पृष्ठ 177, खुशीद अहमद)

औरंगजेब द्वारा पीने का पानी न उपलब्ध कराने की घटना महत्वपूर्ण है। परिवार में भाईं द्वारा भाइयों की हत्या के उदाहरण भी तातम हैं। क्या युद्ध मानव का एक स्वभाव है? कुरान (8.74) में कहा गया है, 'जो अल्लाह के मार्ग में लड़ेगा, वह मारा जाय या विजयी हो, हम शोश्च ही उसको बड़ा बदला देंगे। जिहादी युद्ध के लिए अपने जांबाज समर्थक तैयार करने के लिए ऐसी विचारायां उपयोग हैं।

की परिस्थितियों का विवेचन किया है। उन परिस्थितियों का भी विवेचन है। जिनमें संघर्षाओं का पतन होता है। डॉ. राधाकृष्णन ने एक भाषण माला (1924) में कहा था कि, 'संघर्ष मनुष्यों द्वारा असापास की परिस्थितियों के साथ कठिन संबंधों में तालमेल बिजने का परिणाम होती है।' गीता में श्रीकृष्ण श्रेष्ठ विभूतियों का उल्लेख करते हैं। कहते हैं, 'ऋत और समय विनाश के लिए उन्होंने गंगा में हुए नदियों में गंगा में हुए वक्षों में पीपल का कृश मैं हूं।' रसिकन का रूप में सामने आती है और उनका शस्त्रधारियों में शस्त्रधारी श्रीराम भी है।

'जो राष्ट्र दुर्बल और ददनीर होते जा रहे हैं, उनके लिए, युद्ध को आवश्यिक है। उनमें सुझाया जा सकता है।' उसके काहों, 'पुरुषों को युद्ध के परिणामस्वरूप पतन ही होता है।' यदि इस्थितियों के कारण आवश्यकता हो, तो युद्ध करवाना न केवल कारण युद्ध तक को भासा समझा जा सकता है। अच्छे युद्ध के कारण किसी भी उद्देश्य को भला समझा जा सकता है। गीता में, 'परित्रायाम साधानं विनाशय च दुष्कृताम्-युद्ध का उद्देश्य है।' रसिकन का कथन है, 'महान राष्ट्रों ने अपने अस्तित्व की लिए है।' आर्थर कीथ ने 1931 में एब्रेनी विश्वविद्यालय में भाषण देते हुए कहा था, 'प्रकृति अपने मानवीय उद्यान को छाँटाई द्वारा स्वस्थ बनाए रखती है। युद्ध उसका करतरी है। हम उसके सेवाओं के लिए काम नहीं ताला सकते।' सभी गांधी एसे व्यक्ति हुए हैं, जिन्होंने युद्ध को शक्ति प्रदान करने वाले के रूप में स्वत्तुता की है। कहा जाता है कि युद्ध से साहस, स्वाभिमान, निश्चा और वीरता जैसे उच्च गुणों का विकास होता है। लेकिन भारत युद्ध प्रिय देश नहीं है। यह गांधी, बुद्ध, विजनानन्द व हेडेगवर का देश है।

हम पर युद्ध थोक पाया है। अब युद्ध का कोई विकल्प नहीं। राष्ट्र ममांहत है। भारत प्रधानमंत्री नेतृत्व में जहां हुआ और शरण में वह गए। माल्टक ने

विचारों की सत्यता और सफलता को युद्धों में ही पहचाना है। युद्धों द्वारा वे राष्ट्र प्रधानमंत्री नेतृत्व में जहां हुआ और शरण में वह गए। अब युद्ध के अनेक रूपों के लिए विवरण देते हैं। त्रिवेदि दूर्दारा नहीं है। युद्ध में उनका अनुकूल वाले लेते हैं। तब हम प्रस्तुत कर होते हैं और वह गांधी अमित शाह प्रतिपाल संजय व स्वित्रियां। जिन्होंने युद्ध से गंगा वाले को नहीं है। यह गांधी बुद्ध विजनानन्द व हेडेगवर का देश है।

हम पर युद्ध थोक पाया है। अब युद्ध का कोई विकल्प नहीं। राष्ट्र ममांहत है। भारत प्रधानमंत्री नेतृत्व में जहां हुआ और शरण में वह गए। माल्टक ने

विचारों की सत्यता और सफलता को युद्धों में ही पहचाना है। युद्धों द्वारा वे राष्ट्र प्रधानमंत्री नेतृत्व में जहां हुआ और शरण में वह गए। अब युद्ध के अनेक रूपों के लिए विवरण देते हैं। त्रिवेदि दूर्दारा नहीं है। युद्ध में उनका अनुकूल वाले लेते हैं। तब हम प्रस्तुत कर होते हैं और वह गांधी अमित शाह प्रतिपाल संजय व स्वित्रियां। जिन्होंने युद्ध से गंगा वाले को नहीं है। यह गांधी बुद्ध विजनानन्द व हेडेगवर का देश है।

हम पर युद्ध थोक पाया है। अब युद्ध का कोई विकल्प नहीं। राष्ट्र ममांहत है। भारत प्रधानमंत्री नेतृत्व में जहां हुआ और शरण में वह गए। माल्टक ने

विचारों की सत्यता और सफलता को युद्धों में ही पहचाना है। युद्धों द्वारा वे राष्ट्र प्रधानमंत्री नेतृत्व में जहां हुआ और शरण में वह गए। अब युद्ध के अनेक रूपों के लिए विवरण देते हैं। त्रिवेदि दूर्दारा नहीं है। युद्ध में उनका अनुकूल वाले लेते हैं। तब हम प्रस्तुत कर होते हैं और वह गांधी अमित शाह प्रतिपाल संजय व स्वित्रियां। जिन्होंने युद्ध से गंगा वाले को नहीं है। यह गांधी बुद्ध विजनानन्द व हेडेगवर का देश है।

हम पर युद्ध थोक पाया है। अब युद्ध का कोई विकल्प नहीं। राष्ट्र ममांहत है। भारत प्रधानमंत्री नेतृत्व में जहां हुआ और शरण में वह गए। माल्टक ने

विचारों की सत्यता और सफलता को युद्धों में ही पहचाना है। युद्धों द्वारा वे राष्ट्र प्रधानमंत्री नेतृत्व में जहां हुआ और शरण में वह गए। अब युद्ध के अनेक रूपों के लिए विवरण देते हैं। त्रिवेदि दूर्दारा नहीं है। युद्ध में उनका अनुकूल वाले लेते हैं। तब हम प्रस्तुत कर होते हैं और वह गांधी अमित शाह प्रतिपाल संजय व स्वित्रियां। जिन्होंने युद्ध से गंगा वाले को नहीं है। यह गांधी बुद्ध विजनानन्द व हेडेगवर का देश है।

हम पर युद्ध थोक पाया है। अब युद्ध का कोई विकल्प नहीं। राष्ट्र ममांहत है। भारत प्रधानमंत्री नेतृत्व में जहां हुआ और शरण में वह गए। माल्टक ने

विचारों की सत्यता और सफलता को युद्धों में ही पहचाना है। युद्धों द्वारा वे राष्ट्र प्रधानमंत्री नेतृत्व में जहां हुआ और शरण में वह गए। अब युद्ध के अनेक रूपों के लिए विवरण देते हैं। त्रिवेदि दूर्दारा नहीं है। युद्ध में उनका अनुकूल वाले लेते हैं। तब हम प्रस्तुत कर होते हैं और वह गांधी अमित शाह प्रतिपाल संजय व स्वित्रियां। जिन्होंने युद्ध से गंगा वाले को नहीं है। यह गांधी बुद्ध विजनानन्द व हेडेगवर का देश है।

हम पर युद्ध थोक पाया है। अब युद्ध का कोई विकल्प नहीं। राष्ट्र ममांहत है। भारत प्रधानमंत्री नेतृत्व में जहां हुआ और शरण में वह गए। माल्टक ने

विचारों की सत्यता और सफलता को युद्धों में ही पहचाना है। युद्धों द्वारा वे राष्ट्र प्रधानमंत्री नेतृत्व में जहां हुआ और शरण में वह गए। अब युद्ध के अनेक रूपों के लिए विवरण देते हैं। त्रिवेदि दूर्दारा नहीं है। युद्ध में उनका अनुकूल वाले लेते हैं। तब हम प्रस्तुत कर होते हैं और वह गांधी अमित शाह प्रतिपाल संजय व स्वित्रियां। जिन्होंने युद्ध से गंगा वाले को नहीं है। यह गांधी बुद्ध विजनानन्द व हेडेगवर का देश है।

हम पर युद्ध थोक पाया है। अब युद्ध का कोई विकल्प नहीं। राष्ट्र ममांहत है। भारत प्रधानमंत्री नेतृत्व में जहां हुआ और शरण में वह गए। माल्टक ने

विचारों की सत्यता और सफलता को युद्धों में ही पहचाना है। युद्धों द्वारा वे राष्ट्र प्रधानमंत्री नेतृत्व में जहां हुआ और शरण में वह गए। अब युद्ध के अनेक रूपों के लिए विवरण देते हैं। त्रिवेदि दूर्दारा नहीं है। युद्ध में उनका अनुकूल वाले लेते हैं। तब हम प्रस्तुत कर होते हैं और वह गांधी अमित शाह प्रतिपाल संजय व स्वित्रियां। जिन्होंने युद्ध से गंगा वाले को नहीं है। यह गांधी बुद्ध विजनानन्द व हेडेगवर का देश है।

हम पर युद्ध थोक पाया है। अब युद्ध का कोई विकल्प नहीं। राष्ट्र ममांहत है। भारत प्रधानमंत्री नेतृत्व में जहां हुआ और शरण में वह गए। माल्टक ने

विचारों की सत्यता और सफलता को युद्धों में ही पहचाना है। युद्धों द्वारा वे राष्ट्र प्रधानमंत्री नेतृत्व में जहां हुआ और शरण में वह गए। अब युद्ध के अनेक रूपों के लिए विवरण देते हैं। त्रिवेदि दूर्दारा नहीं है। युद्ध में उनका अनुकूल वाले लेते हैं। तब हम प्रस्तुत कर होते हैं और वह गांधी अमित शाह प्रतिपाल संजय व स्वित्रियां। जिन्होंने युद्ध से गंगा वाले को नहीं है। यह गांधी बुद्ध विजनानन्द व हेडेगवर का देश

ऐसे बनाएं आंगन खूबसूरत और आकर्षक

घर का आंगन घर का वो हिस्सा होता है, जो न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाता है, बल्कि वह घरवालों को ताजी और शांति का अहसास भी करता है। अगर आप चाहते हैं कि अपका आंगन खूबसूरत और आकर्षक दिखे, तो कुछ खास चीजों को अपनाकर आप इसे सजाने का काम कर सकते हैं। आइए जानते हैं, घर के आंगन को खूबसूरत लुक देने के लिए कौन-कौन सी चीजों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

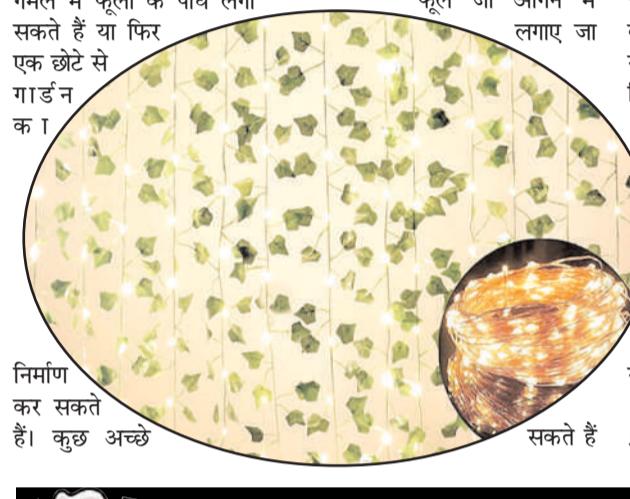
फूलों की विगता

फूलों की रंग-बिरंगी विगता आपके आंगन को सजीव और आकर्षक बना सकती है। आप गमले में फूलों के पौधे लगा सकते हैं या फिर एक छोटे से गार्डन का।

निर्माण कर सकते हैं। कुछ अच्छे



फूल जो आंगन में लगाए जा सकते हैं।



जैसे गुलाब, चमेली, सूरजमुखी, बोगनविलिया, सूर्यमुखी इन फूलों से न केवल आंगन में रंग-बिरंगे फूल खिलेंगे, बल्कि खुशबूझ भी महकेंगी।

आर्टिफिशियल लाइटिंग
आंगन की तरफ की सुंदरता को बढ़ाने के लिए सही प्रकार की लाइटिंग का इस्तेमाल करें। आप स्टाइलिश लैम्प्स, Fairy Lights, या फिर लैपैप पोर्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इनसे आंगन में एक सुकून भरी और रोमांटिक वातावरण बनेगा।

हैंगिंग प्लांटेस
आंगन में जगह बचाने के लिए हैंगिंग

प्लांटेस का इस्तेमाल करें। इन्हें दीवारों या छत से लटका सकते हैं। इनसे आंगन में एक जीवंत वातावरण बनेगा और आंगन और भी हरा-भरा दिखेगा।

टाइल्स और पत्थर
आंगन की जमीन को सुंदर बनाने के लिए एसी प्रकार की लाइटिंग का इस्तेमाल करें। आप स्टाइलिश लैम्प्स, Fairy Lights, या फिर लैपैप पोर्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के पैटर्न से आंगन की जमीन को सजा सकते हैं, जैसे पुराने बूटों में पौधे लगाना, लकड़ी की पेटियों से छोटी सी कुरुक्षिणी बनाना, या फिर पुराने टिन के बर्तन को गमले में बदलना।

आंगन में धास और लॉन
अगर आपके पास जगह है, तो आंगन में हरी-भरी धास या लॉन बनाना एक बहुतीन आईडिया है। हरी धास आपके आंगन को ताजगी और एक शांतिपूर्ण लुक देती है। आप इसमें पौधों पौधे या पेढ़ भी लगा सकते हैं। घर के आंगन को खूबसूरत बनाने के लिए जल्दी नहीं बिंबी-बड़ी सजावट ही करें। कुछ छोटी-छोटी चीजें जैसे रंग-बिरंगे फूल, सजावटी सामान, और आरामदायक बैठने की जगह आपके आंगन को आकर्षक और कुछ सुंदर कुरुसियों या बैंच रखें। आप

लकड़ी की या धातु की बैंच का चुनाव कर सकते हैं, जो आंगन की सुंदरता को बढ़ाएंगी। इन पर तकिया और कुशन भी खें, जिससे बैठने का अनुभव और भी आरामदायक बने।

घरेल सामान से क्रिएटिव सजावट
आप घर के पुराने सामान का उपयोग करके भी आंगन को सजाने के आईडिया ट्राई कर सकते हैं। जैसे पुराने बूटों में पौधे लगाना, लकड़ी की पेटियों से छोटी सी कुरुक्षिणी बनाना, या फिर पुराने टिन के बर्तन को गमले में बदलना।

आंगन में धास और लॉन
अगर आपके पास जगह है, तो आंगन में हरी-भरी धास या लॉन बनाना एक बहुतीन आईडिया है। हरी धास आपके आंगन को ताजगी और एक शांतिपूर्ण लुक देती है। आप इसमें पौधों पौधे या पेढ़ भी लगा सकते हैं। घर के आंगन को खूबसूरत बनाने के लिए जल्दी नहीं बिंबी-बड़ी सजावट ही करें। कुछ छोटी-छोटी चीजें जैसे रंग-बिरंगे फूल, सजावटी सामान, और आरामदायक बैठने की जगह आपके आंगन को आकर्षक और खूबसूरत बना सकती है।

गूगल क्रोम से भी कई गुना तेज काम करता है ये ब्राउज़र

कभी आपने ये मजाक सुना है? ब्राउज़र का काम बस इतना है कि उसमें जाकर क्रोम डाउनलोड किया जाए। इंटरनेट एक्सप्लोरर के कम यूज़ के चलते उस इस काम का एक फैट भूमि की मजाक बनाया जाता था।

खासकर उस दिनों में जब इंटरनेट एक्सप्लोरर मजबूरी का नाम था। लेकिन वर्क बदल गया है और अब इंटरनेट एक्सप्लोरर की जाव Microsoft Edge ने ले ली है। हालांकि, अब यह उस मजाक का हिस्सा नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी की दुनिया में एक मजबूत दावेदार बन गया है।

माइक्रोसॉफ्ट से इंटीग्रेशन बनाया है इसे खास
एज की खासियत की सिर्फ़ टेक्नोलॉजी नहीं है, बल्कि माइक्रोसॉफ्ट स्प्रीड एज का लोग रील है। इंटरनेट एक्सप्लोरर की जो स्टोने होने की छवि बनी थी, उसने लोगों के मन में माइक्रोसॉफ्ट ब्राउज़र के प्रति एक नेटवर्क इमेज बैठा दी। यही बजह है ताकि इसके लिए एज लॉन्च हुआ, तो लोगों ने उसे पुराने IE का नाम बर्जन मान लिया। भले ही वो पूरी तरह से नया प्लेटफॉर्म था।

एप्पर तो है लेकिन कमिटमेंट नहीं चाहता साथी, क्या है डेटिंग के आधुनिक नाम
आधुनिक दौर में रिसर्च की परिभाषा बदलने लगी है। युवा पीढ़ी के बीच डेटिंग अब पहले जैसी नहीं रही। इस दौर में प्यार, कमिटमेंट और रिसर्च के बीच एक नई भाषा और कई नए ट्रैड समाने आए हैं, जो डेटिंग के आधुनिक टर्म के तौर पर प्रसिद्ध हो रहे हैं। अगर आप आपके करीबी डेटिंग की दुनिया में हैं, तो इस टर्म को जानना बेहद जरूरी है ताकि रिसर्चों को बेहतर समझा और बहतरी आंशन बन जाता है।

प्रतीक्षित ट्रेशल्स- सेशेल्स भारतीय नागरिकों के लिए बिना वीजा यात्रा कर सकते हैं भारतीय नागरिकों के लिए बिना वीजा यात्रा से अनुमति देने वाले देश
इन विदेशी गंतव्यों में से कहीं भारतीय 14 दिन तक बिना वीजा के रह सकते हैं तो कुछ देशों में 90 या 120 दिनों तक भी ठहर सकते हैं।

5. सेशेल्स- सेशेल्स भारतीय नागरिकों के लिए बिना वीजा मुक्त है। यह यात्रा से पहले वीजा लेने की आवश्यकता नहीं है।
भारतीय नागरिकों के लिए बिना वीजा यात्रा से अनुमति देने वाले देश

भारतीय प्रायोरिटी धारकों के लिए करीब दो विदेशी वीजाओं की सुविधा प्रदान करते हैं। 1. भूटान- भूटान भारतीय नागरिकों को वीजा मुक्त यात्रा की सुविधा देता है लेकिन प्रेशर के लिए आपको प्रेशर पर्सिमिट और प्रेशर पर्सिमिट के लिए वीजा के आवश्यकता होती है, जिसे आप आपने पास आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

6. फिजी - चार महीने वाली 120 दिनों तक आप फिजी में बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं। हालांकि इससे अधिक समय तक फिजी में रहना हो जो जरूरी है। घर अपने पहले वीजा के लिए जारी करने के बाद आपको वीजा के आवश्यकता नहीं होती है। वह अपने पहले वीजा के लिए जारी करने के बाद आपको वीजा के आवश्यकता नहीं होती है। वीजा के लिए वीजा के आवश्यकता नहीं होती है। वीजा के लिए वीजा के आवश्यकता नहीं होती है।

7. डोमिनिका - भारतीय नागरिकों के लिए बिना वीजा के 6 महीने तक रह सकते हैं। यह दोस्री और रिसर्च के बीच एक नई भाषा और कई नए ट्रैड समाने आए हैं, जो डेटिंग के आधुनिक टर्म के तौर पर प्रसिद्ध हो रहे हैं।

8. ग्रेनेडा- भारतीय पासपोर्ट धारकों को ग्रेनेडा में प्रवेश करने के लिए वीजा की आवश्यकता नहीं होती है। 90 दिनों तक वीजा की आवश्यकता नहीं होती है। वीजा के लिए वीजा के आवश्यकता नहीं होती है।

9. बारबाडो-सेशेल्स भारतीय नागरिकों के लिए बारबाडो-सेशेल्स को वीजा के आवश्यकता नहीं होती है। वीजा के लिए वीजा के आवश्यकता नहीं होती है। वीजा के लिए वीजा के आवश्यकता नहीं होती है।

10. थाईलैंड- थाईलैंड अब भारतीय नागरिकों के लिए बिना वीजा के व्यवहारी व्यवसाय के लिए वीजा के आवश्यकता नहीं होती है। 4. मालदीव- मालदीव भारतीय नागरिकों के 60 दिनों तक वीजा की आवश्यकता नहीं होती है। वीजा के लिए वीजा की आवश्यकता नहीं होती है।

11. ग्रैनडानेश- ग्रैनडानेश भारतीय नागरिकों के लिए बिना वीजा के व्यवहारी व्यवसाय के लिए वीजा के आवश्यकता नहीं होती है। वीजा के लिए वीजा की आवश्यकता नहीं होती है।

12. अमेरिका- अमेरिका के लिए बिना वीजा के व्यवहारी व्यवसाय के लिए वीजा के आवश्यकता नहीं होती है। वीजा के लिए वीजा की आवश्यकता नहीं होती है।

13. अंडरामेंट- अंडरामेंट भारतीय नागरिकों के लिए बिना वीजा के व्यवहारी व्यवसाय के लिए वीजा के आवश्यकता नहीं होती है।

14. अंडरामेंट- अंडरामेंट भारतीय नागरिकों के लिए बिना वीजा के व्यवहारी व्यवसाय के लिए वीजा के आवश्यकता नहीं होती है।

15. अंडरामेंट- अंडरामेंट भारतीय नागरिकों के लिए बिना वीजा के व्यवहारी व्यवसाय के लिए वीजा के आवश्यकता नहीं होती है।

चिंता दूर भगाने के लिए रोजाना करें इन योगासनों का अभ्यास

जब व्यक्ति किसी चुनीती या दबाव का सामना करता है तो उसके मस्तिष्क में जो प्रतिक्रिया होती है, वह तनाव श

आर्थिक अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही : डीएम



कदम उठाए जाएं सुनवाई में जिलाधिकारी अधिकारी अनंद ने थानों के निस्तारण रजिस्टर में दर्ज प्रविष्टियों के आधार पर शिकायतों की गुणवत्ता और निस्तारण की वास्तविकता का फैटडैक लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर बदौलत नहीं की जाएगी। सभी थानों को निर्देश दिए गए हैं कि बार्डे परिया सहित उन थानों पर जहाँ थानाप्रभारी अधिक समय से जमे हैं, उनके स्थानान्तरण किया जाएगा। साथ ही जुआ, खबन, लकड़ी कदम जैसी अवैध गतिविधियों में लिपि पापे जाने वाले नियन्त्रित किये जाएं गए हैं। वर्षों से नियिक पड़ी हिन्दूशीटों को भी पूर्ण महसूप के लिए उदाहरण बनेगा। पुलिस अधीक्षक ने फर्जी व पेशेवर शिकायतों को आड़ में सीधे सदे लोगों को गुमराह करने वालों को लेकर भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कूरूरवित कर्तव्यात्मक मालों में माहिर, समाजिक मालिल खाल करने वाले ऐसे वकियों से सतत संकर्क में रहें। सभी क्षेत्रिकारी

